**News Expert**
11 hrs · Facebook for Android ·

# तंबाकू शोध केंद्र को उच्चीकृत किया जायेगा

कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित तंबाकू शोध केंद्रों के प्रभारी अधिकारी डॉ अरविंद कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि तंबाकू एक्रिप् योजना की 11वीं वार्षिक बैठक का आयोजन वर्चुअल मोड में ऑनलाइन संपन्न हुई। जिसकी अध्यक्षता भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली के उप महानिदेशक (फसल विज्ञान) डॉक्टर टी.आर. शर्मा द्वारा की गई। केंद्र की प्रभारी डॉ अरविंद कुमार श्रीवास्तव एवं डॉक्टर एन.बी. सिंह ने इस कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। डॉक्टर श्रीवास्तव ने बताया कि केंद्र पर चल रहे शोध कार्यों का विस्तृत प्रस्तुतिकरण किया गया। सहायक महानिदेशक (नगदी फसल) डॉ आर के सिंह एवं निदेशक केंद्रीय तंबाकू अनुसंधान संस्थान राजामुंदरी डॉक्टर डी. दामोदर रेड्डी द्वारा इन शोध कार्यों की प्रशंसा की गई। साथी शोध कार्यों से उत्साहित होकर डॉ रेड्डी को आदेशित किया गया कि उत्तर प्रदेश में तंबाकू के अंतर्गत लगभग 34 हजार हेक्टेयर क्षेत्रफल पर खेती की जा रही है अतः किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए चंद्रशेखर आजाद कृषि प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित आरोन क्षेत्र को सब सेंटर से मेन सेंटर में ऊंचीकृत किया जाए। ऐसी स्थिति में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद से धन की उपलब्धता भी होगी और इंफ्रास्ट्रक्चर एवं वैज्ञानिकों के पद आदि दिशा में सहयोग मिलेगा। साथ ही प्रभारी डॉ श्रीवास्तव को निर्देशित किया है कि उक्त के संबंध में निदेशक केंद्रीय तंबाकू अनुसंधान संस्थान को प्रस्ताव उपलब्ध कराया जाए। कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह ने कहा कि यह गौरव की बात है कि विश्वविद्यालय के अधीन संचालित तंबाकू शोध केंद्र का उच्चीकृत हो। ( डॉ खलील खान), मीडिया प्रभारी, चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर।

आज
कानपुर
28 मार्च, 2021
11

# आरोन क्षेत्र को मेन उच्चीकृत किया जाए

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित तंबाकू शोध केंद्रों के प्रभारी अधिकारी डॉ अरविंद कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि तंबाकू एक्रिप योजना की 11वीं वार्षिक बैठक का आयोजन वर्चुअल मोड में ऑनलाइन संपन्न हुई, जिसकी अध्यक्षता भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली के उप महानिदेशक (फसल विज्ञान) डॉ टी.आर. शर्मा द्वारा की गई। केंद्र की प्रभारी डॉ अरविंद कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि केंद्र पर चल रहे शोध कार्यों का विस्तृत प्रस्तुतिकरण किया गया। सहायक महानिदेशक (नगदी फसल) डॉ आर के सिंह एवं निदेशक केंद्रीय तंबाकू अनुसंधान संस्थान राजामुंदरी डॉ डी. दामोदर रेड्डी द्वारा इन शोध कार्यों की प्रशंसा की गई। साथी शोध कार्यों से उत्साहित होकर डॉ रेड्डी को आदेशित किया गया कि उत्तर प्रदेश में तंबाकू के अंतर्गत लगभग 34 हजार हेक्टेयर क्षेत्रफल पर खेती की जा रही है अतः किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए सीएसए के अधीन संचालित आरोन क्षेत्र को सब सेंटर से मेन सेंटर में ऊंचीकृत किया जाए। ऐसी स्थिति में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद से धन की उपलब्धता भी होगी और इंफ्रास्ट्रक्चर एवं वैज्ञानिकों के पद आदि दिशा में सहयोग मिलेगा। साथ ही प्रभारी डॉ श्रीवास्तव को निर्देशित किया है कि उक्त के संबंध में निदेशक केंद्रीय तंबाकू अनुसंधान संस्थान को प्रस्ताव उपलब्ध कराया जाए। सीएसए के कुलपति डॉ डीआर सिंह ने कहा कि यह गौरव की बात है कि विश्वविद्यालय के अधीन संचालित तंबाकू शोध केंद्र का उज्जीकृत हो।

9:38 AM

111 (1).pdf - Read-only

शाश्वत टाइम्स

हिन्दी दैनिक

वर्ष : 5, अंक : 359 पृष्ठ : 12
कानपुर महानगर, रविवार
28 मार्च, 2021
मूल्य ₹ 2.00

# तंबाकू एक्रिप् योजना की 11वीं वार्षिक बैठक का आयोजन

**शाश्वत टाइम्स कानपुर।** चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित तंबाकू शोध केंद्रों के प्रभारी अधिकारी डॉ अरविंद कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि तंबाकू एक्रिप् योजना की 11वीं वार्षिक बैठक का आयोजन वर्चुअल मोड में ऑनलाइन संपन्न हुई। जिसकी अध्यक्षता भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली के उप महानिदेशक (फसल विज्ञान) डॉक्टर टी.आर. शर्मा द्वारा की गई। केंद्र की प्रभारी डॉ अरविंद कुमार श्रीवास्तव एवं डॉक्टर एन.बी. सिंह ने इस कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। डॉक्टर श्रीवास्तव ने बताया कि केंद्र पर चल रहे शोध कार्यों का विस्तृत प्रस्तुतिकरण किया गया। सहायक महानिदेशक (नगदी फसल) डॉ आर के सिंह एवं निदेशक केंद्रीय तंबाकू अनुसंधान संस्थान राजामुंदरी डॉक्टर डी. दामोदर रेड्डी द्वारा इन शोध कार्यों की प्रशंसा की गई। साथी शोध कार्यों से उत्साहित होकर डॉ रेड्डी को आदेशित किया गया कि उत्तर प्रदेश में तंबाकू के अंतर्गत लगभग 34 हजार हेक्टेयर




क्षेत्रफल पर खेती की जा रही है अतः किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए चंद्रशेखर आजाद कृषि प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित आरोन क्षेत्र को सब सेंटर से मेन सेंटर में ऊंचीकृत किया जाए। ऐसी स्थिति में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद से धन की उपलब्धता भी होगी और इंफ्रास्ट्रक्चर एवं वैज्ञानिकों के पद आदि दिशा में सहयोग मिलेगा। साथ ही प्रभारी डॉ श्रीवास्तव को निर्देशित किया है कि उक्त के संबंध में निदेशक केंद्रीय तंबाकू अनुसंधान संस्थान को प्रस्ताव उपलब्ध कराया जाए। कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह ने कहा कि यह गौरव की बात है कि विश्वविद्यालय के अधीन संचालित तंबाकू शोध केंद्र का उच्चीकृत हो।

हिन्दुस्तान | 08
कानपुर • सोमवार • 29 मार्च 2021

न्यूज प्लस

# पोषकतत्व न मिलें तो विकास भी नहीं होगा

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय (सीएसए) की ओर से चौबेपुर के बेदीपुर गांव में रविवार को एक दिवसीय किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि अखिल भारतीय समन्वित शोध परियोजना भोपाल (मध्य प्रदेश) के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अरविंद कुमार शुक्ला ने द्वितीयक व सूक्ष्म पोषक तत्व का फसलों पर महत्व के बारे में जानकारी दी। पौधों के सामान्य विकास के लिए 17 पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है। इनमें से किसी एक तत्व की कमी होने पर फसल पैदावार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। कार्बन, हाइड्रोजन व ऑक्सीजन को पौधे हवा व जल से प्राप्त करते हैं। मीडिया प्रभारी डॉ. खलील खान ने बताया गोष्ठी में 100 से अधिक किसानों ने हिस्सा लिया।

# गौरव की बात है कि विश्वविद्यालय के अधीन संचालित तंबाकू शोध केंद्र का उच्चीकृत होना : कुलपति

28/03/2021

**कानपुर नगर (जन एक्सप्रेस संवाददाता)।** चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित तंबाकू शोध केंद्रों के प्रभारी अधिकारी डॉ.अरविंद कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि तंबाकू एक्रिप् योजना की 11वीं वार्षिक बैठक का आयोजन वर्चुअल मोड में ऑनलाइन संपन्न हुई। जिसकी अध्यक्षता भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली के उप महानिदेशक (फसल विज्ञान) डॉ.टी.आर. शर्मा द्वारा की गई। केंद्र की प्रभारी डॉ.श्रीवास्तव ने बताया कि केंद्र पर चल रहे शोध कार्यों का विस्तृत प्रस्तुतिकरण किया गया है सहायक महानिदेशक (नगदी फसल) डॉ.आर.के.सिंह एवं निदेशक केंद्रीय तंबाकू अनुसंधान संस्थान राजामुंदरी डॉ.डी. दामोदर रेड्डी द्वारा इन शोध कार्यों की प्रशंसा की गई। उन्होंने आदेशित किया कि उत्तर प्रदेश में तंबाकू के अंतर्गत लगभग 34 हजार हेक्टेयर क्षेत्रफल पर खेती की जा रही है किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए सीएसएयू कानपुर के अधीन संचालित आरोन क्षेत्र को सब सेंटर से मेन सेंटर में ऊंचीकृत किया जाए। ऐसी स्थिति में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद से धन की उपलब्धता के साथ इंफ्रास्ट्रक्चर एवं वैज्ञानिकों के पद आदि दिशा में सहयोग मिलेगा। प्रभारी डॉ0 श्रीवास्तव ने निदेशक केंद्रीय तंबाकू अनुसंधान संस्थान को प्रस्ताव उपलब्ध कराए जाने के लिए निर्देशित किया। कुलपति डॉ.डी.आर.सिंह ने कहा कि यह गौरव की बात है कि विश्वविद्यालय के अधीन संचालित तंबाकू शोध केंद्र का उच्चीकृत हो।

# कृषक गोष्ठी का आयोजन, दी गई पोषक तत्व प्रबंधन की जानकारी

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के कृषि रसायन एवं मृदा विज्ञान विभाग द्वारा ग्राम बेदीपुर में रविवार को एक दिवसीय कृषक गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अखिल भारतीय समन्वित शोध परियोजना भोपाल (मध्य प्रदेश) के परियोजना समन्वयक/ प्रधान वैज्ञानिक डॉ अरविंद कुमार शुक्ला उपस्थित रहे।

इस अवसर पर डॉक्टर शुक्ला ने द्वितीयक एवं सूक्ष्म पोषक तत्व का फसलों में महत्व विषय पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पौधों के सामान्य विकास के लिए 17 पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है। इनमें से किसी एक तत्व की कमी होने पर फसल पैदावार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है और भरपूर फसल नहीं मिलती है। उन्होंने कहा की कार्बन हाइड्रोजन एवं ऑक्सीजन पौधे हवा एवं जलसे प्राप्त करते हैं। जबकि शेष पोषक तत्व पौधे मृदा से प्राप्त करते हैं। उन्होंने किसानों को बताया कि पोषक तत्व प्रबंधन अवश्य करना चाहिए। जिससे कि मृदा में पोषक तत्वों का संतुलन बना रहे। इसके लिए जरूरी है कि खेतों में गोबर की खाद एवं हरी खादों का प्रयोग अवश्य किया जाए।

इस अवसर पर प्रोफेसर/ समन्वयक डॉ अनिल कुमार सचान ने कृषकों को मृदा के महत्व और उसको प्रदूषण से बचाने के सुझाव दिए। साथ ही किसानों को जैविक खाद, हरी खाद एवं दलहनी फसलों के महत्व के साथ-साथ फसल चक्र अपनाने पर विशेष बल दिया। इस अवसर पर एस सी, एस टी कृषकों को स्पेयर मशीन, प्रक्षेत्र यंत्र जैसे खुरपी, हसिया, फावड़ा, बाल्टी, तसला इत्यादि वितरित किए गए। जिससे किसान पोषक तत्वों का आसानी से फसलों पर छिड़काव कर सकें। इस अवसर पर क्षितिज तिवारी, प्रिंशु सिंह, दीक्षा शुक्ला के अतिरिक्त गांव के सैकड़ों किसानों ने प्रशिक्षण में प्रतिभाग किया।

आज
कानपुर
29 मार्च 2021

# बच्चों को बांटी 100 पिचकारी-मिठाइयां

होली के पर्व पर बच्चों को बांटी गयी पिचकारियां।

कानपर, 28 मार्च। आज चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर द्वारा गोद लिए गए जय हो संवर्धित गांव अनूपपुर को देश के प्रथम आदर्श गांव बनाने के लिए प्रायशरत विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. डी. आर सिंह के तत्वाधान में आज होली के उपलक्ष पर विशेष कार्यक्रम किए गए और गांव के बज्चों को होली सामग्री जिसमे 100 , पिचकारी,मिठाईया सेनीटाइजर मास्क कलर्स आदि चीजें वितरित की। मिठाइयां एवं पिचकारी पाकर गांव के बज्चे बहुत ही उत्साहित और खुश हुए गांव के राम सिंह ने कहा कि जब से विश्वविद्यालय ने यह गांव गोद लिया है गांव की प्रगति हो रही है। इस अवसर पर प्रमुख रूप से अंशु ठाकुर, सागर यादव, शिवम् तोमर,गुड्डू कुमार, अंकित यादव,प्रतीक मिश्रा अंशु गौर,आयुष उपस्थित रहे।

**News Expert**
8 hrs · Facebook for Android ·

पिचकारी पाकर गांव के बच्चे हुए उत्साहित
कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर द्वारा गोद लिए गए जय हो संवर्धित गांव अनूपपुर को देश के प्रथम आदर्श गांव बनाने के लिए प्रायशरत विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. डी. आर सिंह के तत्वाधान में आज होली के उपलक्ष पर विशेष कार्यक्रम किए गए और गांव के बच्चों को होली सामग्री जिसमे 100 , पिचकारी,मिठाईया सेनीटाइजर मास्क कलर्स आदि चीज़े वितरित की। मिठाइयां एवं पिचकारी पाकर गांव के बच्चे बहुत ही उत्साहित और खुश हुए गांव के राम सिंह ने कहा कि जब से विश्वविद्यालय ने यह गांव गोद लिया है गांव की प्रगति हो रही है। इस अवसर पर प्रमुख रूप से अंशु ठाकुर, सागर यादव, शिवम् तोमर,गुड्डू कुमार, अंकित यादव,प्रतीक मिश्रा अंशु गौर,आयुष उपस्थित रहे.

अमर उजाला
सोमवार ■ 29.03.2021 05
kanpur.amarujala.com

# पौधों के विकास के लिए 17 पोषक तत्वों की जरूरत

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कृषि रसायन एवं मृदा विज्ञान विभाग द्वारा रविवार को बेदीपुर गांव में कृषक गोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि अखिल भारतीय समन्वित शोध परियोजना भोपाल (मध्य प्रदेश) के परियोजना समन्वयक डॉ. अरविंद कुमार शुक्ला ने बताया कि पौधों के सामान्य विकास के लिए 17 पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है। इनमें से किसी एक तत्व की कमी होने पर फसल पैदावार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। ये तत्व उन्हें हवा, जल और मिट्टी से मिलते हैं। किसानों को कृषि यंत्र बांटे गए। इस दौरान डॉ. अनिल कुमार सचान, क्षितिज तिवारी, प्रिंशु सिंह, दीक्षा शुक्ला आदि मौजूद रहे। (संवाद)

आज
कानपुर
29 मार्च 2021
5

किसानों को कृषि उपकरण बांटते अधिकारी।

# पौधों के सामान्य विकास के लिए 17 पोषक तत्वों की आवश्यकता

कानपुर, 28 मार्च। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय ,कानपुर के कृषि रसायन एवं मृदा विज्ञान विभाग द्वारा ग्राम बेदीपुर में एक दिवसीय कृषक गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अखिल भारतीय समन्वित शोध परियोजना भोपाल (मध्य प्रदेश) के परियोजना समन्वयक/ प्रधान वैज्ञानिक डॉ अरविंद कुमार शुक्ला ने द्वितीयक एवं सूक्ष्म पोषक तत्व का फसलों में महत्व विषय पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पौधों के सामान्य विकास के लिए 17 पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है। इनमें से किसी एक तत्व की कमी होने पर फसल पैदावार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। और भरपूर फसल नहीं मिलती है। उन्होंने कहा की कार्बन हाइड्रोजन एवं ऑक्सीजन पौधे हवा एवं जलसे प्राप्त करते हैं। जबकि शेष पोषक तत्व पौधे मृदा से प्राप्त करते हैं।उन्होंने किसानों को बताया कि पोषक तत्व प्रबंधन अवश्य करना चाहिए। जिससे कि मृदा में पोषक तत्वों का संतुलन बना रहे। इसके लिए जरूरी है कि खेतों में गोबर की खाद एवं हरी खादों का प्रयोग अवश्य किया जाए। इस अवसर पर डॉ अनिल कुमार सचान ने कृषकों को मृदा के महत्व और उसको प्रदूषण से बचाने के सुझाव दिए। साथ ही किसानों को जैविक खाद, हरी खाद एवं दलहनी फसलों के महत्व के साथ-साथ फसल चक्र अपनाने पर विशेष बल दिया। इस अवसर पर यस सी, एस टी कृषकों को स्पेयर मशीन, प्रक्षेत्र यंत्र जैसे खुरपी, हंसिया, फावड़ा, बाल्टी, तसला इत्यादि वितरित किए गए।जिससे किसान पोषक तत्वों का आसानी से फसलों पर छिड़काव कर सकें। इस अवसर पर क्षितिज तिवारी, प्रिंशु सिंह, दीक्षा शुक्ला के अतिरिक्त गांव के सैकड़ों किसानों ने प्रशिक्षण में प्रतिभाग किया।

## किसानों को स्पेयर मशीन, प्रक्षेत्र यंत्र का वितरण किया गया

**News Expert**
8 hrs · Facebook for Android ·

कृषक गोष्ठी का आयोजन किया गया
कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के कृषि रसायन एवं मृदा विज्ञान विभाग द्वारा ग्राम बेदीपुर में एक दिवसीय कृषक गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अखिल भारतीय समन्वित शोध परियोजना भोपाल (मध्य प्रदेश) के परियोजना समन्वयक/ प्रधान वैज्ञानिक डॉ अरविंद कुमार शुक्ला उपस्थित रहे। इस अवसर पर डॉक्टर शुक्ला ने द्वितीयक एवं सूक्ष्म पोषक तत्व का फसलों में महत्व विषय पर विस्तार से जानकारी दी उन्होंने बताया कि पौधों के सामान्य विकास के लिए 17 पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है। इनमें से किसी एक तत्व की कमी होने पर फसल पैदावार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। और भरपूर फसल नहीं मिलती है। उन्होंने कहा की कार्बन हाइड्रोजन एवं ऑक्सीजन पौधे हवा एवं जलसे प्राप्त करते हैं। जबकि शेष पोषक तत्व पौधे मृदा से प्राप्त करते हैं। उन्होंने किसानों को बताया कि पोषक तत्व प्रबंधन अवश्य करना चाहिए। जिससे कि मृदा में पोषक तत्वों का संतुलन बना रहे। इसके लिए जरूरी है कि खेतों में गोबर की खाद एवं हरी खादों का प्रयोग अवश्य किया जाए। इस अवसर पर प्रोफेसर/ समन्वयक डॉ अनिल कुमार सचान ने कृषकों को मृदा के महत्व और उसको प्रदूषण से बचाने के सुझाव दिए। साथ ही किसानों को जैविक खाद, हरी खाद एवं दलहनी फसलों के महत्व के साथ-साथ फसल चक्र अपनाने पर विशेष बल दिया। इस अवसर पर यस सी, एस टी कृषकों को स्पेयर मशीन, प्रक्षेत्र यंत्र जैसे खुरपी, हसिया, फावड़ा, बाल्टी, तसला इत्यादि वितरित किए गए।जिससे किसान पोषक तत्वों का आसानी से फसलों पर छिड़काव कर सकें। इस अवसर पर क्षितिज तिवारी, प्रिंशु सिंह, दीक्षा शुक्ला के अतिरिक्त गांव के सैकड़ों किसानों ने प्रशिक्षण में प्रतिभाग किया। ( डॉ खलील खान), मीडिया प्रभारी, चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर।

हिन्दुस्तान | 08
कानपुर • सोमवार • 29 मार्च 2021

न्यूज प्लस

# पोषकतत्व न मिलें तो विकास भी नहीं होगा

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय (सीएसए) की ओर से चौबेपुर के बेदीपुर गांव में रविवार को एक दिवसीय किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि अखिल भारतीय समन्वित शोध परियोजना भोपाल (मध्य प्रदेश) के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अरविंद कुमार शुक्ला ने द्वितीयक व सूक्ष्म पोषक तत्व का फसलों पर महत्व के बारे में जानकारी दी। पौधों के सामान्य विकास के लिए 17 पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है। इनमें से किसी एक तत्व की कमी होने पर फसल पैदावार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। कार्बन, हाइड्रोजन व ऑक्सीजन को पौधे हवा व जल से प्राप्त करते हैं। मीडिया प्रभारी डॉ. खलील खान ने बताया गोष्ठी में 100 से अधिक किसानों ने हिस्सा लिया।

**News Expert**
8 hrs · Facebook for Android ·

पिचकारी पाकर गांव के बच्चे हुए उत्साहित
कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर द्वारा गोद लिए गए जय हो संवर्धित गांव अनूपपुर को देश के प्रथम आदर्श गांव बनाने के लिए प्रायशरत विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. डी. आर सिंह के तत्वाधान में आज होली के उपलक्ष पर विशेष कार्यक्रम किए गए और गांव के बच्चों को होली सामग्री जिसमे 100 , पिचकारी,मिठाईया सेनीटाइजर मास्क कलर्स आदि चीज़े वितरित की। मिठाइयां एवं पिचकारी पाकर गांव के बच्चे बहुत ही उत्साहित और खुश हुए गांव के राम सिंह ने कहा कि जब से विश्वविद्यालय ने यह गांव गोद लिया है गांव की प्रगति हो रही है। इस अवसर पर प्रमुख रूप से अंशु ठाकुर, सागर यादव, शिवम् तोमर,गुड्डू कुमार, अंकित यादव,प्रतीक मिश्रा अंशु गौर,आयुष उपस्थित रहे.

आज
कानपुर
29 मार्च 2021

# बच्चों को बांटी 100 पिचकारी-मिठाइयां

होली के पर्व पर बच्चों को बांटी गयी पिचकारियां।

कानपर, 28 मार्च। आज चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर द्वारा गोद लिए गए जय हो संवर्धित गांव अनूपपुर को देश के प्रथम आदर्श गांव बनाने के लिए प्रायशरत विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. डी. आर सिंह के तत्वाधान में आज होली के उपलक्ष पर विशेष कार्यक्रम किए गए और गांव के बज्चों को होली सामग्री जिसमे 100 , पिचकारी,मिठाईया सेनीटाइजर मास्क कलर्स आदि चीजें वितरित की। मिठाइयां एवं पिचकारी पाकर गांव के बज्चे बहुत ही उत्साहित और खुश हुए गांव के राम सिंह ने कहा कि जब से विश्वविद्यालय ने यह गांव गोद लिया है गांव की प्रगति हो रही है। इस अवसर पर प्रमुख रूप से अंशु ठाकुर, सागर यादव, शिवम् तोमर,गुड्डू कुमार, अंकित यादव,प्रतीक मिश्रा अंशु गौर,आयुष उपस्थित रहे।

**News Expert**
8 hrs · Facebook for Android ·

कृषक गोष्ठी का आयोजन किया गया
कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के कृषि रसायन एवं मृदा विज्ञान विभाग द्वारा ग्राम बेदीपुर में एक दिवसीय कृषक गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अखिल भारतीय समन्वित शोध परियोजना भोपाल (मध्य प्रदेश) के परियोजना समन्वयक/ प्रधान वैज्ञानिक डॉ अरविंद कुमार शुक्ला उपस्थित रहे। इस अवसर पर डॉक्टर शुक्ला ने द्वितीयक एवं सूक्ष्म पोषक तत्व का फसलों में महत्व विषय पर विस्तार से जानकारी दी उन्होंने बताया कि पौधों के सामान्य विकास के लिए 17 पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है। इनमें से किसी एक तत्व की कमी होने पर फसल पैदावार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। और भरपूर फसल नहीं मिलती है। उन्होंने कहा की कार्बन हाइड्रोजन एवं ऑक्सीजन पौधे हवा एवं जलसे प्राप्त करते हैं। जबकि शेष पोषक तत्व पौधे मृदा से प्राप्त करते हैं। उन्होंने किसानों को बताया कि पोषक तत्व प्रबंधन अवश्य करना चाहिए। जिससे कि मृदा में पोषक तत्वों का संतुलन बना रहे। इसके लिए जरूरी है कि खेतों में गोबर की खाद एवं हरी खादों का प्रयोग अवश्य किया जाए। इस अवसर पर प्रोफेसर/ समन्वयक डॉ अनिल कुमार सचान ने कृषकों को मृदा के महत्व और उसको प्रदूषण से बचाने के सुझाव दिए। साथ ही किसानों को जैविक खाद, हरी खाद एवं दलहनी फसलों के महत्व के साथ-साथ फसल चक्र अपनाने पर विशेष बल दिया। इस अवसर पर यस सी, एस टी कृषकों को स्पेयर मशीन, प्रक्षेत्र यंत्र जैसे खुरपी, हसिया, फावड़ा, बाल्टी, तसला इत्यादि वितरित किए गए।जिससे किसान पोषक तत्वों का आसानी से फसलों पर छिड़काव कर सकें। इस अवसर पर क्षितिज तिवारी, प्रिंशु सिंह, दीक्षा शुक्ला के अतिरिक्त गांव के सैकड़ों किसानों ने प्रशिक्षण में प्रतिभाग किया। ( डॉ खलील खान), मीडिया प्रभारी, चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर।

# कृषक गोष्ठी का आयोजन, दी गई पोषक तत्व प्रबंधन की जानकारी

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के कृषि रसायन एवं मृदा विज्ञान विभाग द्वारा ग्राम बेदीपुर में रविवार को एक दिवसीय कृषक गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अखिल भारतीय समन्वित शोध परियोजना भोपाल (मध्य प्रदेश) के परियोजना समन्वयक/ प्रधान वैज्ञानिक डॉ अरविंद कुमार शुक्ला उपस्थित रहे।

इस अवसर पर डॉक्टर शुक्ला ने द्वितीयक एवं सूक्ष्म पोषक तत्व का फसलों में महत्व विषय पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पौधों के सामान्य विकास के लिए 17 पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है। इनमें से किसी एक तत्व की कमी होने पर फसल पैदावार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है और भरपूर फसल नहीं मिलती है। उन्होंने कहा की कार्बन हाइड्रोजन एवं ऑक्सीजन पौधे हवा एवं जलसे प्राप्त करते हैं। जबकि शेष पोषक तत्व पौधे मृदा से प्राप्त करते हैं। उन्होंने किसानों को बताया कि पोषक तत्व प्रबंधन अवश्य करना चाहिए। जिससे कि मृदा में पोषक तत्वों का संतुलन बना रहे। इसके लिए जरूरी है कि खेतों में गोबर की खाद एवं हरी खादों का प्रयोग अवश्य किया जाए।

इस अवसर पर प्रोफेसर/ समन्वयक डॉ अनिल कुमार सचान ने कृषकों को मृदा के महत्व और उसको प्रदूषण से बचाने के सुझाव दिए। साथ ही किसानों को जैविक खाद, हरी खाद एवं दलहनी फसलों के महत्व के साथ-साथ फसल चक्र अपनाने पर विशेष बल दिया। इस अवसर पर एस सी, एस टी कृषकों को स्पेयर मशीन, प्रक्षेत्र यंत्र जैसे खुरपी, हसिया, फावड़ा, बाल्टी, तसला इत्यादि वितरित किए गए। जिससे किसान पोषक तत्वों का आसानी से फसलों पर छिड़काव कर सकें। इस अवसर पर क्षितिज तिवारी, प्रिंशु सिंह, दीक्षा शुक्ला के अतिरिक्त गांव के सैकड़ों किसानों ने प्रशिक्षण में प्रतिभाग किया।

आज
कानपुर
29 मार्च 2021
5

किसानों को कृषि उपकरण बांटते अधिकारी।

# पौधों के सामान्य विकास के लिए 17 पोषक तत्वों की आवश्यकता

कानपुर, 28 मार्च। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय ,कानपुर के कृषि रसायन एवं मृदा विज्ञान विभाग द्वारा ग्राम बेदीपुर में एक दिवसीय कृषक गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अखिल भारतीय समन्वित शोध परियोजना भोपाल (मध्य प्रदेश) के परियोजना समन्वयक/ प्रधान वैज्ञानिक डॉ अरविंद कुमार शुक्ला ने द्वितीयक एवं सूक्ष्म पोषक तत्व का फसलों में महत्व विषय पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पौधों के सामान्य विकास के लिए 17 पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है। इनमें से किसी एक तत्व की कमी होने पर फसल पैदावार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। और भरपूर फसल नहीं मिलती है। उन्होंने कहा की कार्बन हाइड्रोजन एवं ऑक्सीजन पौधे हवा एवं जलसे प्राप्त करते हैं। जबकि शेष पोषक तत्व पौधे मृदा से प्राप्त करते हैं।उन्होंने किसानों को बताया कि पोषक तत्व प्रबंधन अवश्य करना चाहिए। जिससे कि मृदा में पोषक तत्वों का संतुलन बना रहे। इसके लिए जरूरी है कि खेतों में गोबर की खाद एवं हरी खादों का प्रयोग अवश्य किया जाए। इस अवसर पर डॉ अनिल कुमार सचान ने कृषकों को मृदा के महत्व और उसको प्रदूषण से बचाने के सुझाव दिए। साथ ही किसानों को जैविक खाद, हरी खाद एवं दलहनी फसलों के महत्व के साथ-साथ फसल चक्र अपनाने पर विशेष बल दिया। इस अवसर पर यस सी, एस टी कृषकों को स्पेयर मशीन, प्रक्षेत्र यंत्र जैसे खुरपी, हंसिया, फावड़ा, बाल्टी, तसला इत्यादि वितरित किए गए।जिससे किसान पोषक तत्वों का आसानी से फसलों पर छिड़काव कर सकें। इस अवसर पर क्षितिज तिवारी, प्रिंशु सिंह, दीक्षा शुक्ला के अतिरिक्त गांव के सैकड़ों किसानों ने प्रशिक्षण में प्रतिभाग किया।

## किसानों को स्पेयर मशीन, प्रक्षेत्र यंत्र का वितरण किया गया

अमर उजाला
सोमवार ■ 29.03.2021 05
kanpur.amarujala.com

# पौधों के विकास के लिए 17 पोषक तत्वों की जरूरत

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कृषि रसायन एवं मृदा विज्ञान विभाग द्वारा रविवार को बेदीपुर गांव में कृषक गोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि अखिल भारतीय समन्वित शोध परियोजना भोपाल (मध्य प्रदेश) के परियोजना समन्वयक डॉ. अरविंद कुमार शुक्ला ने बताया कि पौधों के सामान्य विकास के लिए 17 पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है। इनमें से किसी एक तत्व की कमी होने पर फसल पैदावार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। ये तत्व उन्हें हवा, जल और मिट्टी से मिलते हैं। किसानों को कृषि यंत्र बांटे गए। इस दौरान डॉ. अनिल कुमार सचान, क्षितिज तिवारी, प्रिंशु सिंह, दीक्षा शुक्ला आदि मौजूद रहे। (संवाद)

# शाश्वत टाइम्स

हिन्दी दैनिक

वर्ष : 5, अंक : 360 पृष्ठ : 12
कानपुर महानगर, सोमवार
29 मार्च, 2021
मूल्य ₹ 2.00

www.shashwattimes.com


शाश्वत टाइम्स परिवार की ओर से सभी पाठकों एवं विज्ञापनदाताओं को होली की हार्दिक शुभ

# पोषक तत्व का फसलों में महत्व विषय

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के कृषि रसायन एवं मृदा विज्ञान विभाग द्वारा ग्राम बेदीपुर में एक दिवसीय कृषक गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अखिल भारतीय समन्वित शोध परियोजना भोपाल (मध्य प्रदेश) के परियोजना समन्वयक/ प्रधान वैज्ञानिक डॉ अरविंद कुमार शुक्ला उपस्थित रहे। इस अवसर पर डॉक्टर शुक्ला ने द्वितीयक एवं सूक्ष्म पोषक तत्व का फसलों में महत्व विषय पर विस्तार से जानकारी दी उन्होंने बताया कि

पौधों के सामान्य विकास के लिए 17 पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है। इनमें से किसी एक तत्व की कमी होने पर फसल पैदावार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। और भरपूर फसल नहीं मिलती है। उन्होंने कहा की कार्बन हाइड्रोजन एवं ऑक्सीजन पौधे हवा एवं जलसे ग्रहण करते हैं। जबकि शेष पोषक तत्व पौधे मृदा से ग्रहण करते हैं उन्होंने किसानों को बताया कि पोषक तत्व प्रबंधन अवश्य करना चाहिए। जिससे कि मृदा में पोषक तत्वों का संतुलन बना रहे। इसके लिए जरूरी है कि खेतों में गोबर की खाद एवं हरी खादों का प्रयोग अवश्य किया जाए। इस अवसर पर प्रोफेसर/ समन्वयक डॉ अनिल कुमार सचान ने कृषकों को मृदा के महत्व और उसको प्रदूषण से बचाने के सुझाव दिए। साथ ही किसानों को जैविक खाद, हरी खाद एवं दलहनी फसलों के महत्व के साथ-साथ फसल चक्र अपनाने पर विशेष बल दिया। इस अवसर पर यस सी, एस टी कृषकों को स्पेयर मशीन, प्रक्षेत्र यंत्र जैसे खुरपी, हसिया, फावड़ा, बाल्टी, तसला इत्यादि वितरित किए गए जिससे किसान पोषक तत्वों का आसानी से फसलों पर छिड़काव कर सकें। इस अवसर पर क्षितिज तिवारी, प्रिंशु सिंह, दीक्षा शुक्ला के अतिरिक्त गांव के सैकड़ों किसानों ने प्रशिक्षण में प्रतिभाग किया।